

>

Title : Regarding reported withdrawal/downgrading of security of Leaders of Political Parties.

**उपाध्यक्ष महोदय:** कोई एक सदस्य अपनी बात कहे।

**श्री दारा सिंह चौहान (घोसी):** उपाध्यक्ष महोदय, हमारे बड़े नेताओं की सुरक्षा के सवाल पर हमने कार्य स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया था कि उस पर चर्चा कराई जाए। सरकार की ओर से गृह मंत्री जी आकर यहां कहें कि हम उनकी सुरक्षा नहीं घटा रहे हैं, वह एज इट इज़ रहेगी, तो हम आगे आपका सहयोग करने को तैयार हैं। अगर राष्ट्रीय नेताओं के साथ, बड़े नेताओं के साथ ऐसा किया जाएगा तो निश्चित रूप से यह बहुत निंदनीय है...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय:** आप बैठ जाएं। मंत्री जी जवाब दे रहे हैं।

...(व्यवधान)

**श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज):** जब हम उत्तर प्रदेश में विधायक थे, तब प्रदेश सरकार द्वारा हमारी सुरक्षा का कोई प्रबंध नहीं था...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय:** मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं। वह आपकी ही पार्टी के हैं। आप बैठ जाएं और उन्हें सुनें।

...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय:** आप लोग बैठ जाएं, मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं।

...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय:** मंत्री जी कुछ बोलना चाहते हैं, पहले उन्हें तो सुन लें।

...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय:** आप लोग अपनी-अपनी सीट्स पर जाएं। मंत्री जी जवाब दे रहे हैं, जरा सुन लें।

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Mr. Deputy-Speaker, Sir, in the morning the hon. Leader of the House had also assured the Members here that there was nothing; no file had been sent to the Home Minister. The Home Minister, for that matter, the Government had not passed any instructions whatsoever. After that, the matter has been under discussion in both the Houses, the other House as also this House. Though we do not really refer to the proceedings of the other House, but since the notice was given in the other House, for that I will take this liberty, and your permission also, to very briefly refer to that. The notice which was given in the other House, mentions four names. Thereafter my colleague Shri Prithviraj Chavan, the MOS had assured the House that the Government has seen to it. To quote the exact words:

"The Government is deeply concerned about security of all political leaders. I assure the House that the security provided to the leaders of political parties mentioned in the notice will not be reduced."

...(Interruptions)

**श्री रेवती रमन सिंह (इलाहाबाद):** आप नाम पढ़ दीजिए।

**श्री पवन कुमार बंसल:** आप इतनी जल्दी क्यों करते हैं?

...(Interruptions) I go a step further here, Sir. Though the names in the notice were not mentioned here, that is, Kumari Mayawati, Dr. Murlī Manohar Joshi, Shri Mulayam Singh Yadav and Shri Lalu Prasad Yadav, in all these cases, there will be no reduction in the security....(Interruptions)

**श्री जगदम्बिका पाल :** मैं 27 साल तक यूपी विधान सभा में रहा हूं। ...(व्यवधान)

मेरी भी सिक्योरिटी हटाई गयी थी।...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** आप बैठ जाइये, हाउस को चलने दीजिये। मंत्री जी ने जवाब दे दिया है, इसलिए इस पर चर्चा अब नहीं होनी चाहिए। आप बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

**श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी):** उपाध्यक्ष जी, जगदम्बिका पाल जी ठीक सवाल उठा रहे हैं। यहां पर हमने भी शोर किया, इन्होंने भी किया, लेकिन उत्तर प्रदेश में सारी सिक्योरिटी वापस ले ली है, इसका क्या होगा। इस पर भी बात होनी चाहिए। ... (व्यवधान)

**श्री पवन कुमार बंसल :** मैं एक गुजारिश सभी माननीय सदस्यों से करना चाहूंगा कि हाउस हम सभी का है। मेरा कोई अधिकार नहीं है कि मैं कोई बात ज्यादा कहूं। इस ढंग से अगर हम सभी बात करते रहेंगे कि कहीं मीडिया में कुछ आ गया, इस अखबार में क्या आ गया, इस आधार पर हम सब बातों को उठाते रहेंगे तो हाउस कभी भी चलाना संभव नहीं होगा। मैंने एक बात आपको कही है, आप भी सरकार में रहे हैं और यह सरकार की जिम्मेदारी है कि 6-6 महीने के बाद जो सिक्योरिटी का रिव्यू होता है, उसमें अगर किसी बात के लिए कुछ महसूस किया जाता है कि पिछली बार उनके पास कोई ओहदा था, पद था, उसके मुताबिक सिक्योरिटी थी। आज कोई ओहदा नहीं... (व्यवधान)

**श्री मुलायम सिंह यादव :** माननीय मंत्री जी ने जो घोषणा की, उसके लिए धन्यवाद। लेकिन माननीय मंत्री जी मेरी बात को समझ नहीं पा रहे हैं। केन्द्रीय सरकार को हम धन्यवाद देते हैं, नेता सदन ने जो वायदा किया, उसे पूरा किया, उसके लिए उनका धन्यवाद। सवाल अब यह है कि उत्तर प्रदेश की बीएसपी सरकार ने सिक्योरिटी सब की वापस ले ली। उसका क्या होगा, वह बताएं। ... (व्यवधान) सवाल हमारा यह है। ... (व्यवधान)

**श्री दारा सिंह चौहान :** हम माननीय मंत्री जी को धन्यवाद देते हैं। ... (व्यवधान)

**श्री मुलायम सिंह यादव :** आप हमारी बात समझ नहीं पा रहे हैं, विषयान्तर हो गया है, आप हमारी बात समझ नहीं पाए हैं। ... (व्यवधान)

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): We have stated about those four leaders... (Interruptions) If you go on like this, how would we function?... (Interruptions) Whatever was the concern, that has been addressed. In the morning, I stated that no decision has yet been taken.

The Prime Minister, at his own level, has suggested to assure the House that in respect of these four leaders, there is no question of reducing the security. I do hope, you would allow the Government to transact its normal business. As and when the decision would be taken, it would be communicated to you. But simply, you cannot expect to have a blanket assurance on some news-items, which had appeared. It is a regular exercise. This exercise is being carried on by the Government... (Interruptions)

I am on my legs, Mulayam Singhji. Most respectfully, I would like to submit that the Leader of the House has the right to explain the position. Therefore, let me explain the position. In the morning, I stated that no decision has yet been taken. In that context, additional information has been shared with the House, where the decision has already been taken by the Prime Minister and communicated to the Upper House and this House exactly in the identical language. Whatever we have communicated there, we have communicated here.

Now, I would request that there are important businesses to be taken up. Financial business is to be transacted. Guillotine is to take place today. One more Demands for Grants is also there for discussion. Therefore, most respectfully I would like to submit that as you have cooperated in transacting the most important financial business, please allow it also to be transacted. If you have any other issue, that can always be subjected to discussion.

If you have any point of view, you may tell it and we would take that into account. The security of the political leaders will be assured. There will be no compromise with that. This much I can tell you.

â€¦(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** आप बैठ जाइए, मंत्री जी ने उत्तर दे दिया है।

**श्री मुलायम सिंह यादव :** उपाध्यक्ष महोदय, मैंने जो कहा है, शायद नेता सदन वह समझ नहीं पाए हैं। हमने यह कहा कि बहुजन समाज पार्टी की सरकार ने उत्तर प्रदेश में सारी सिक्योरिटी वापस ले ली है।... (व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** यह आपके प्रदेश की बात है। इसके संबंध में मंत्री जी क्या बोलेंगे?

â€¦(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** सभा महिला और बाल विकास मंत्रालय संबंधित अनुदान की मांग संख्या 104 चर्चा तथा मतदान के लिए लेगी।

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): माननीय उपाध्यक्ष जी, यह बहुत गंभीर मामला है। यह हमारी सांसदों की सुरक्षा का मामला है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठ जाइए। मंत्री जी ने अपनी बात कह दी है।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : मंत्री जी ने अपना उत्तर दे दिया है। मंत्री जी के उत्तर के बाद चर्चा करने के लिए कोई विषय नहीं है। आपकी बात रिकार्ड में नहीं जा रही है।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए। केवल सुमित्रा महाजन जी की बात रिकार्ड में जाएगी।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कृपया बैठ जाएं। सदन में व्यवस्था बनाए रखिए।

...(व्यवधान)

**14.14 hrs.**

*(At this stage, Shri Rakesh Sachan and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.)*

...(Interruptions)

**14.15 hrs.**

*(At this stage, Shri Rakesh Sachan and some other hon. Members went back to their seats.)*

...(Interruptions)

उपाध्यक्ष महोदय : आप सब बैठिए। हाउस को चलने दीजिए। व्यवस्था बनाये रखें।

...(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : उपाध्यक्ष जी, बड़ा गंभीर मामला है।...(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं केवल सम्मानित सदन के जो सदस्य हैं, उनकी जिन्दगी और उनके ...(व्यवधान) इस सम्मानित सदन के सदस्य हम हों या रत्ना सिंह जी हों या और तमाम सम्मानित सदस्य हों। उत्तर प्रदेश में एक ऐसी सरकार है जहां पर जीवन के वास्तविक खतरे का आकलन करके वहां सुरक्षा प्रदान नहीं की जाती है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप सब बैठ जाइए। हाउस को चलने दीजिए।

श्री जगदम्बिका पाल : महोदय, मेरी बात सुन लीजिए। ...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल: सर, इनको बोलने पर भी एतराज है। ...(व्यवधान) सर, अगर आपने जो हम यहां कर रहे हैं, वह भी आपने अगर नहीं करना है, वह आपकी मर्जी है लेकिन क्या आप इनको बोलने भी नहीं देंगे? ...(व्यवधान) इनको बोलने दीजिए।

उपाध्यक्ष महोदय : आप सब बैठिए।

श्री जगदम्बिका पाल : महोदय, मैं संसदीय कार्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने अपने नेता के लिए थोड़ी चिंता व्यक्त की। हमारे संसदीय कार्य मंत्री जी ने खड़े होकर कह दिया कि केन्द्र सरकार कोई सुरक्षा वापस लेने नहीं जा रही है।...(व्यवधान) उनको तो धन्यवाद देना चाहिए था। उनमें अगर नैतिकता होती तो उनको धन्यवाद करना चाहिए था।...(व्यवधान) लेकिन सुनने की क्षमता रखनी चाहिए कि जहां एक तरफ मैं संसदीय कार्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि अगर कुछ नेताओं की चिंता व्यक्त की गई, वे प्रदेश की मुख्य मंत्री हैं, अगर उनके दल के लोगों ने उनकी भी सुरक्षा के प्रति चिंता व्यक्त की तो मैं कहना चाहता हूं कि हम लोग भी सम्मानित सदस्य हैं। ...(व्यवधान) लेकिन हमारी सुरक्षा वापस ले ली गई। हम लोगों को न्यायालय से सुरक्षा मिली है।...(व्यवधान) रत्ना सिंह जी की सुरक्षा वापस हुई। उत्तर प्रदेश में सुरक्षा किसी के जीवन के खतरे के आधार पर नहीं है बल्कि वहां राजनैतिक आधार पर सुरक्षा दी जाती है और

राजनीतिक आधार पर सुरक्षा वापस ले ली जाती है। वहां तो जो लोग अपराधी हैं, उनको राज्य मंत्री बनाया जा रहा है, उनको सुरक्षा दी जा रही है।...(व्यवधान) जिन लोगों ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष रीता बहुगुणा जोशी जी का घर जलाया,...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** अब आपने अपनी बात रख दी है। अब आप बैठ जाइए। आपकी बात समाप्त हो गई। आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** अब हो गया। आपके दल के नेता जी बोल चुके हैं। बस, अब रहने दीजिए।

...(व्यवधान)

**श्री दारा सिंह चौहान :** उपाध्यक्ष महोदय, हमें भी अपनी बात कहने का मौका दीजिए।...(व्यवधान)

**श्री रेवती रमन सिंह :** उपाध्यक्ष जी, मैं एक बहुत अहम सवाल उठाना चाहता हूं। इन्होंने जो बात कही है कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने सांसदों के खिलाफ और तमाम हमारे जो नेता हैं, उनकी सिक्योरिटी हटा ली है।...(व्यवधान) उनकी जान खतरे में है।...(व्यवधान) मैं निवेदन करना चाहता हूं कि सरकार कुछ निर्देश करे कि सुरक्षा वापस दी जाए।...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** आपने अपनी बात कह दी है, अब आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** आपके नेता जी इस पर बोल चुके हैं। इसके बावजूद भी आप बोल रहे हैं। हाउस चलने दीजिए।

...(व्यवधान)

**श्री राकेश सचान (फतेहपुर):** उपाध्यक्ष जी, बदले की भावना से प्रदेश सरकार काम कर रही है। एक तरफ मायावती जी की सुरक्षा मांग रही है और दूसरी तरफ जो जनप्रतिनिधि हैं, विधायक हैं, एमपीज हैं, समाजवादी पार्टी के नेता हैं, उनकी सुरक्षा हटा ली गई है।...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** आपकी बात रिकार्ड में नहीं जा रही है। आपकी बात हो गई। बैठ जाइए।

...(व्यवधान) \*

**श्री राकेश सचान :** महोदय, बदले की भावना से काम किया जा रहा है।...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** आपके नेता बोल रहे हैं। आपकी बात रिकॉर्ड में आ गई है। मंत्री जी ने भी बता दिया है।

श्रीमती सुमित्रा महाजन।

â€¦(व्यवधान)

**श्री शैलेन्द्र कुमार :** माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आप संरक्षण दीजिए।...(व्यवधान)

**उपाध्यक्ष महोदय :** सुमित्रा जी, आप अपनी बात कहना शुरू कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

---

---

\* Not recorded